

एलिया औज़ि शारपत शैर री बिदुवा



Bangani

एलिया औज़ि शारपत शैर री बिदुवा

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

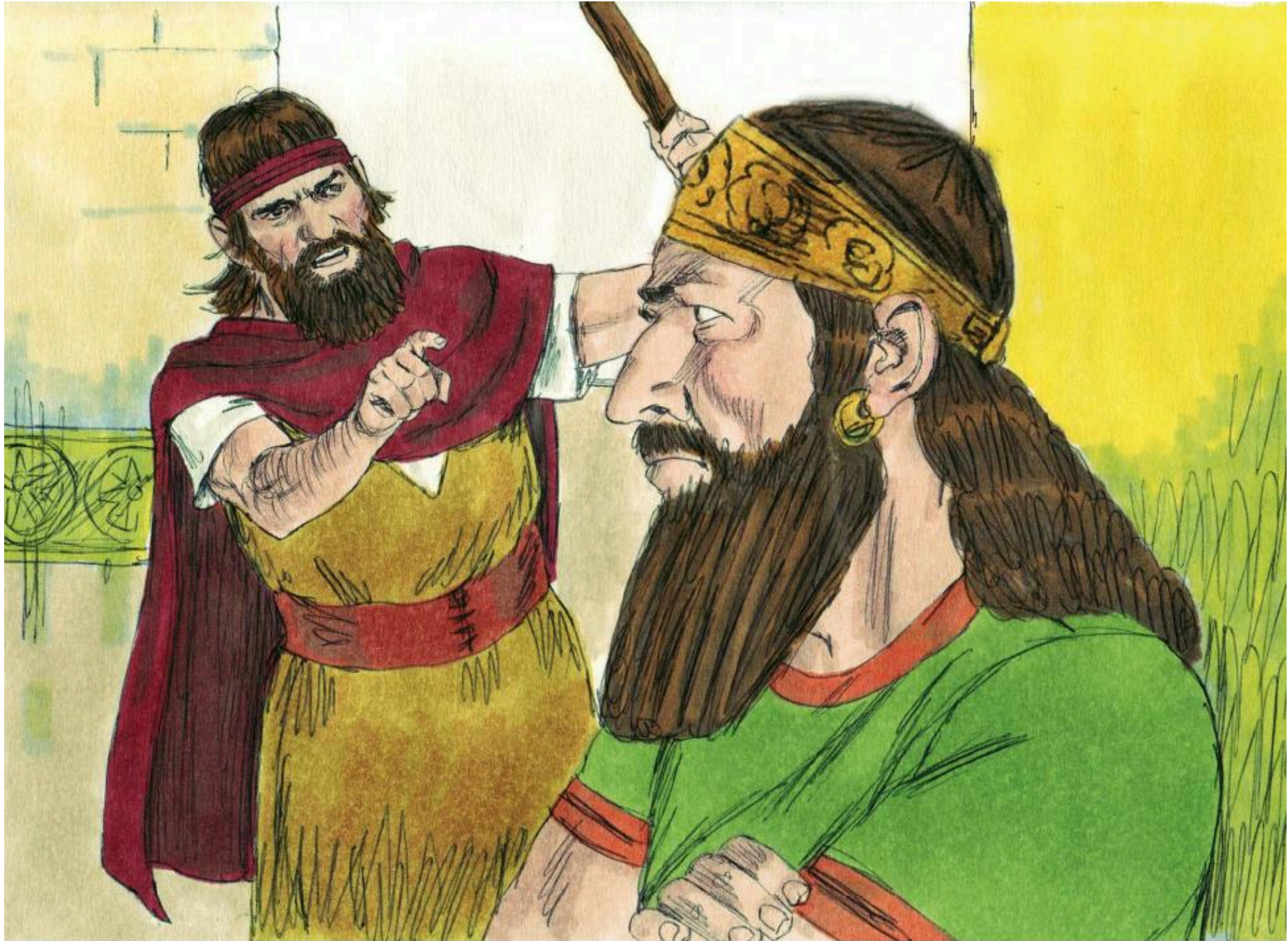
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

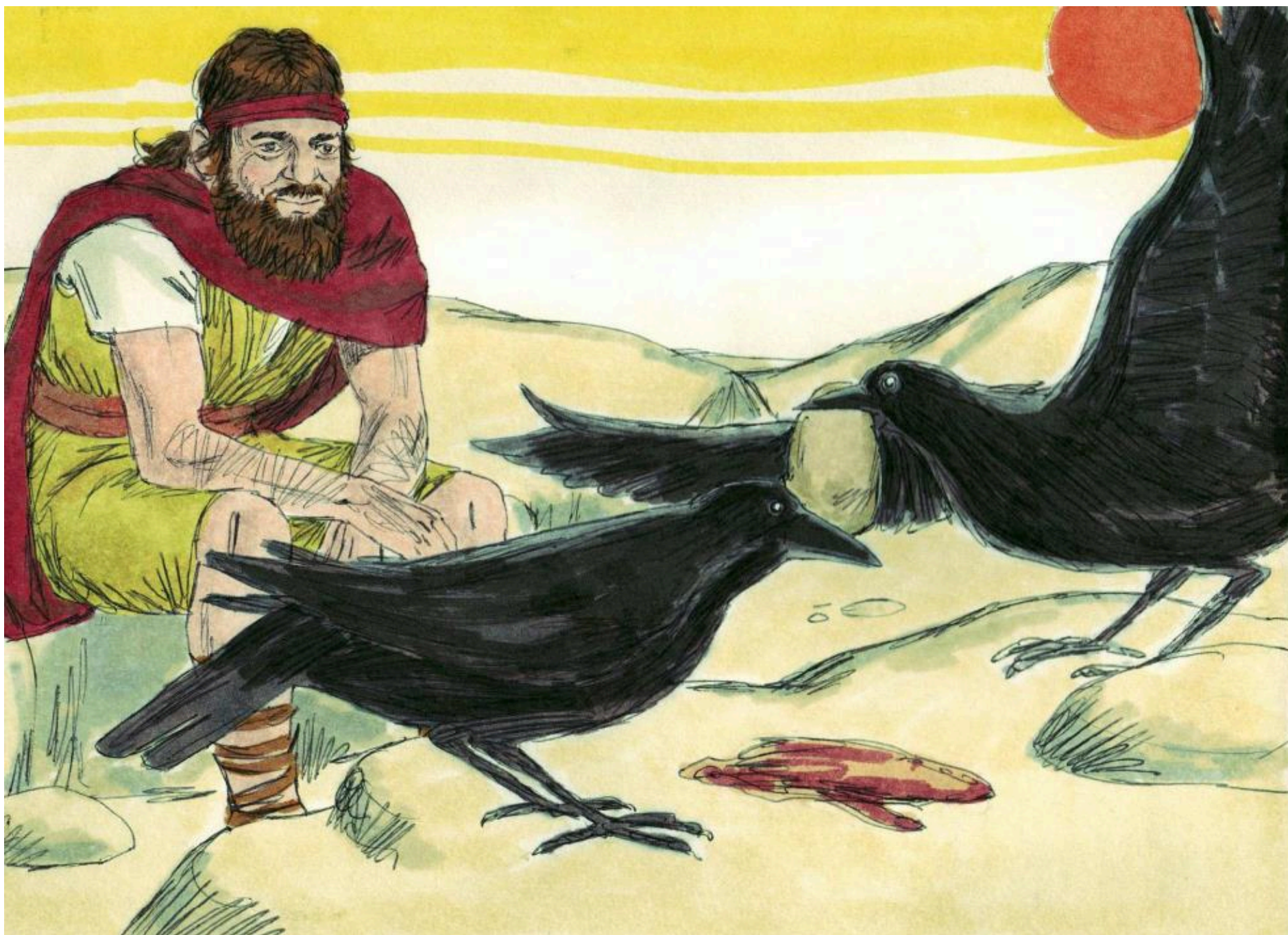
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एलिया और शारपत नगर की बिदुवा के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



ਜ਼ੌ ਇਸ਼੍ਰਾਏਲ ਰੌ ਰਾਜ਼ਾ ਔਜ਼ਿ ਲੋਗੁ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਰੀ
ਉਪਾਸਨਾ ਕੌਰਧੌ ਛੋਡੌ, ਤੈ ਸੈ ਦੁਜੈ ਦੇਬੀ ਦੇਬਤਾਊਂ
ਰੀ ਪੁਜ਼ਾ ਕੌਰਦੈ ਲਾਗੈ, ਤੈਬੈ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇਏ ਆਪਡੌ ਦਾਸ
ਏਲਿਯਾ, ਇਸ਼੍ਰਾਏਲ ਦੀ ਅਹਾਬ ਕਾਏ ਛਾਡੌ, ਔਜ਼ਿ
ਤਿਧੀ ਡੇਏਯੌ ਅਹਾਬ ਆਰੀ ਬੋਲੌ, ਕਿ ਆਊਂ
ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਰੀ ਸੇਵਾ ਕੌਰੁ ਔਜ਼ਿ ਆਊਂ ਬਾਖੀ,
ਆਗਲੀ ਸਾਲ ਦੀ ਏਸ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਨਾ ਤੈ ਓਸ ਪੌਡੈ ਲੌ
ਨਾ ਜ਼ੌਡ ਲਾਗੈ ਲੌ।



ਜੌੜ ਤੈਬੇੜ ਲਾਗੈ ਲੌ, ਜੌ ਆਊਂ ਬੋਲੂ ਲੌ। ਏਸ਼ੋ
ਬੋਲਿਯੋ ਏਲਿਯਾ ਤੇਤਕੌੜ ਪੋਰੁ ਬਾਗੋ, ਤੈਬੈ
ਪਰਮੇਸ਼ਵਰੇੜ ਏਲਿਯਾ ਆਰੀ ਬੋਲੌ, ਤੂ ਏਜ਼ੀ ਜ਼ਾਗਾ
ਛੋੜਿਯੋ ਕਰੀਤ ਖੌਟੇ ਦੀ ਚੋਰਿਊ। ਤੂ ਖੌਟੈ ਕੌੜ
ਪਿਯੈ ਪਾਣੀ, ਔਜ਼ਿ ਮੂੜੰ ਕੁਵਾਟੂ ਕੈ ਆਦੇਸ਼ ਦੇਣੌਨ੍ਦੌ,
ਕਿ ਸੇਤੁ ਸੇਜ਼ੀ ਜ਼ਾਗਾ ਦੀ ਤਾਊਂਖੀ ਖਾਣੌ ਆਣੈ ਲੌ।



तैबै एलिया परमेश्वर रै बोलणे री बौजै कौइ
करीत खौटे दी डेइयौ चोरुवौ। औज़ि रोज़
रातिकै औज़ि बियाळिकै तेसखी कुवाटू आणै थौ
खाणौ। कुछ बौक्तै बासियै ज़ौड़ ना लागणेरी
बौजै कौइ खौटौ पोरु शुकौ।



तैबै परमेश्वरेइ एलिया आरी बोलौ, ऐबै तू
शारपत शैर दी डेऊ, मुईं तेत्कै एक बिदुवा
छेऊड़ी काई ताऊंखी खाणै रौ इंतज़ाम कियौन्दौ ।
तैबै एलिया शारपत खी डैअ । तिणी तेत्कै सै
बिदुवा देखी, सै खाणौ चाणने खी लाकड़ै रौइ
थी कौठी कौरदी लागी ।



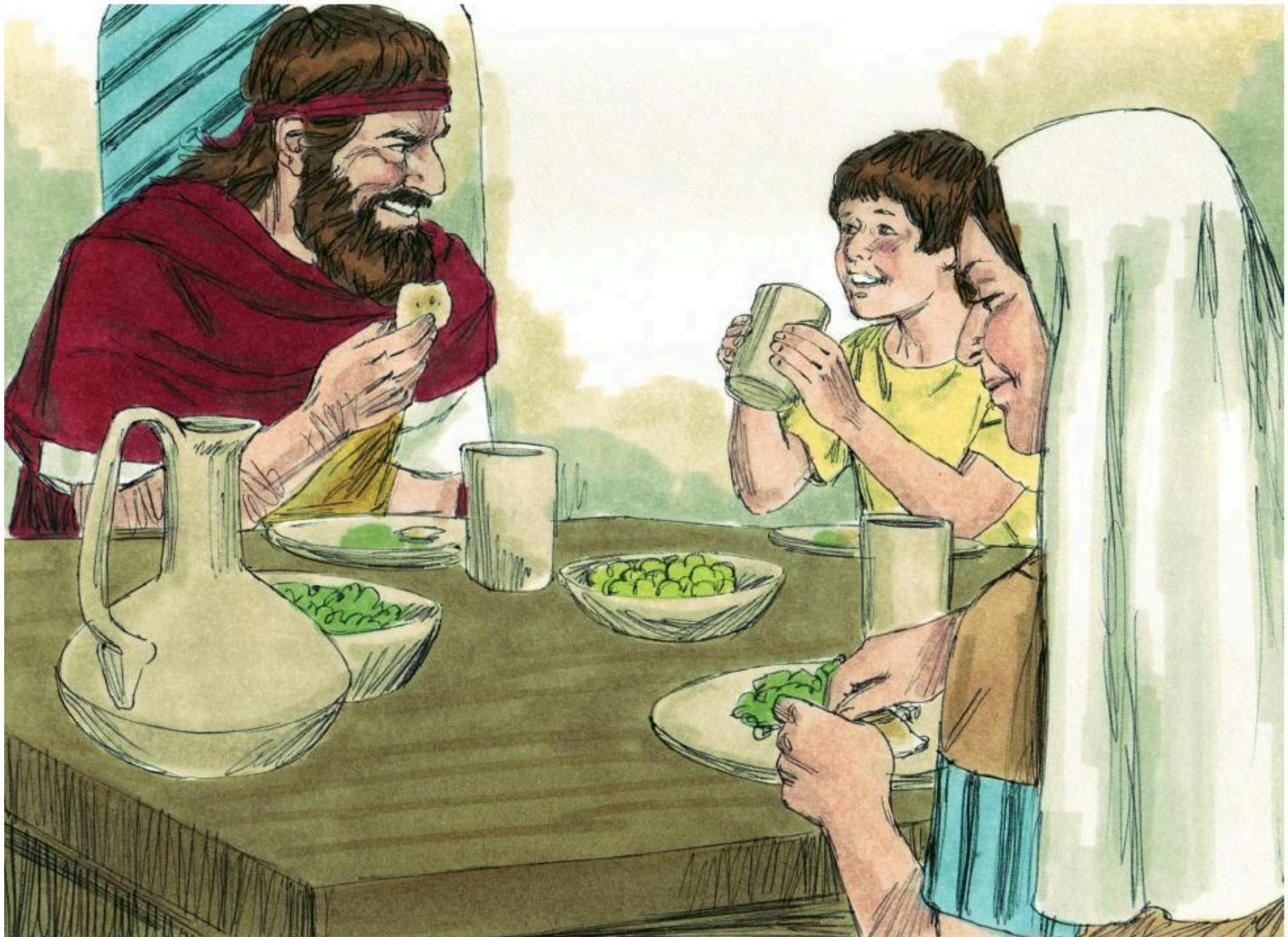
तैबै एलियाइ तियारी बोलौ, कि मुखी थोड़ौ ज़ाइं
पाणी दै पिणे रखी। तैबै सै छेऊड़ तेसरखी पाणी
आण्दि डेइ, तैबै एलियाइ बोलौ, कि “मुखी एक
टुकड़ी रोटी बी आणै।” पर तीं छेऊड़िएइ बोलौ
आऊं तेरै परमेश्वर री कसम खाइयौ बोलु कि
मुकै रोटी ना नौथि।



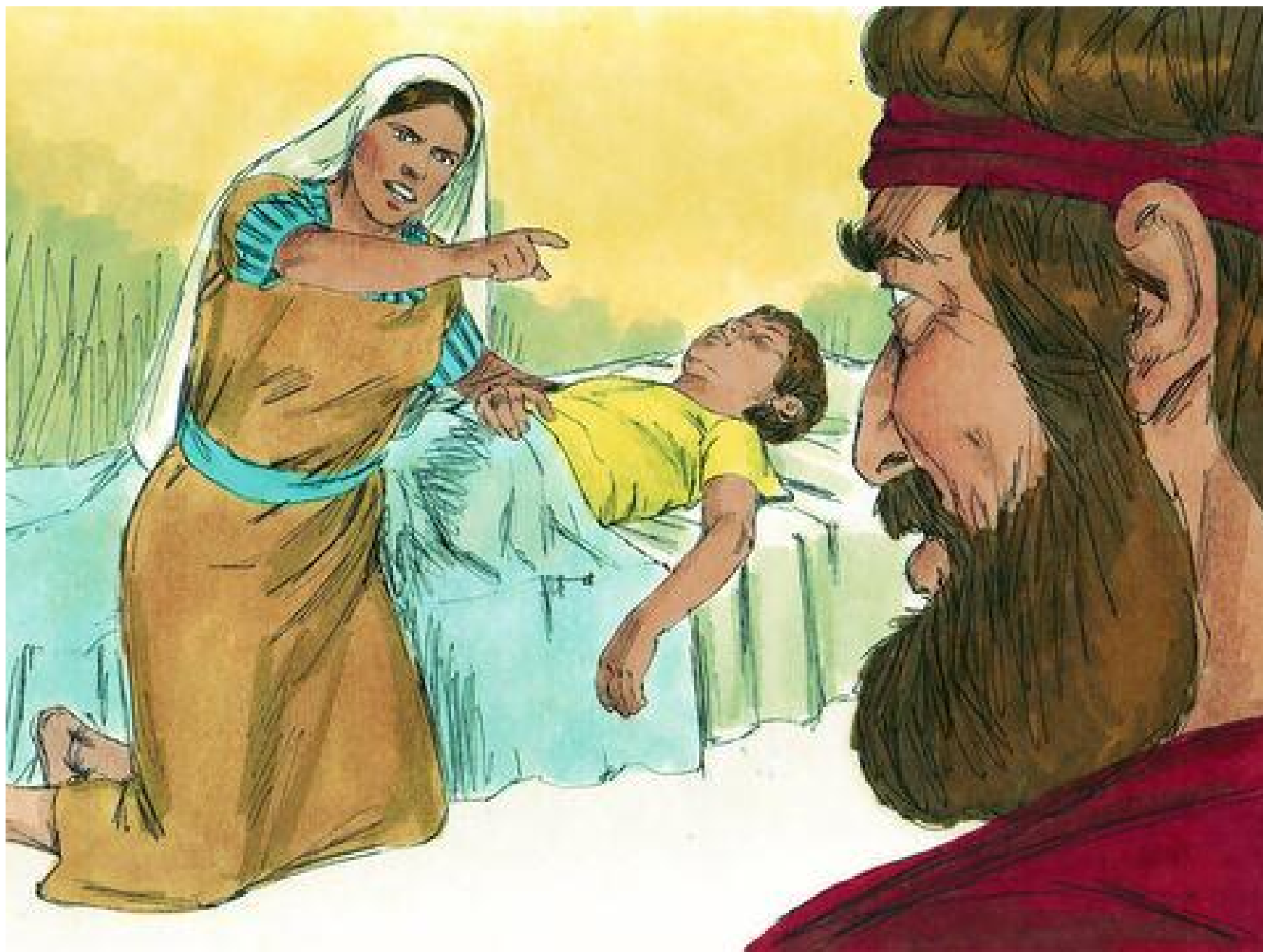
तियै बोलौ मुकै एक मुठी पिदियान औज़ि
बोतली पोरु थोड़ौ ज़ाड़ तेल एसकौइ अलावा
आम्कै कुछ बी ना नौथि, ज़ौ आऊँ गौरै डेऊली
तै तेसकौइ आऊँ आपखी आखरी रौ खाणौ चाणु
ली, औज़ि तेबासियै आऊँ औज़ि मेरौ बेटा दुईया
ज़ोणै तेस खाई लै, तैबै कुछ बौक्तै बासियै बूखै
कौइ पोरु मौरी लै।



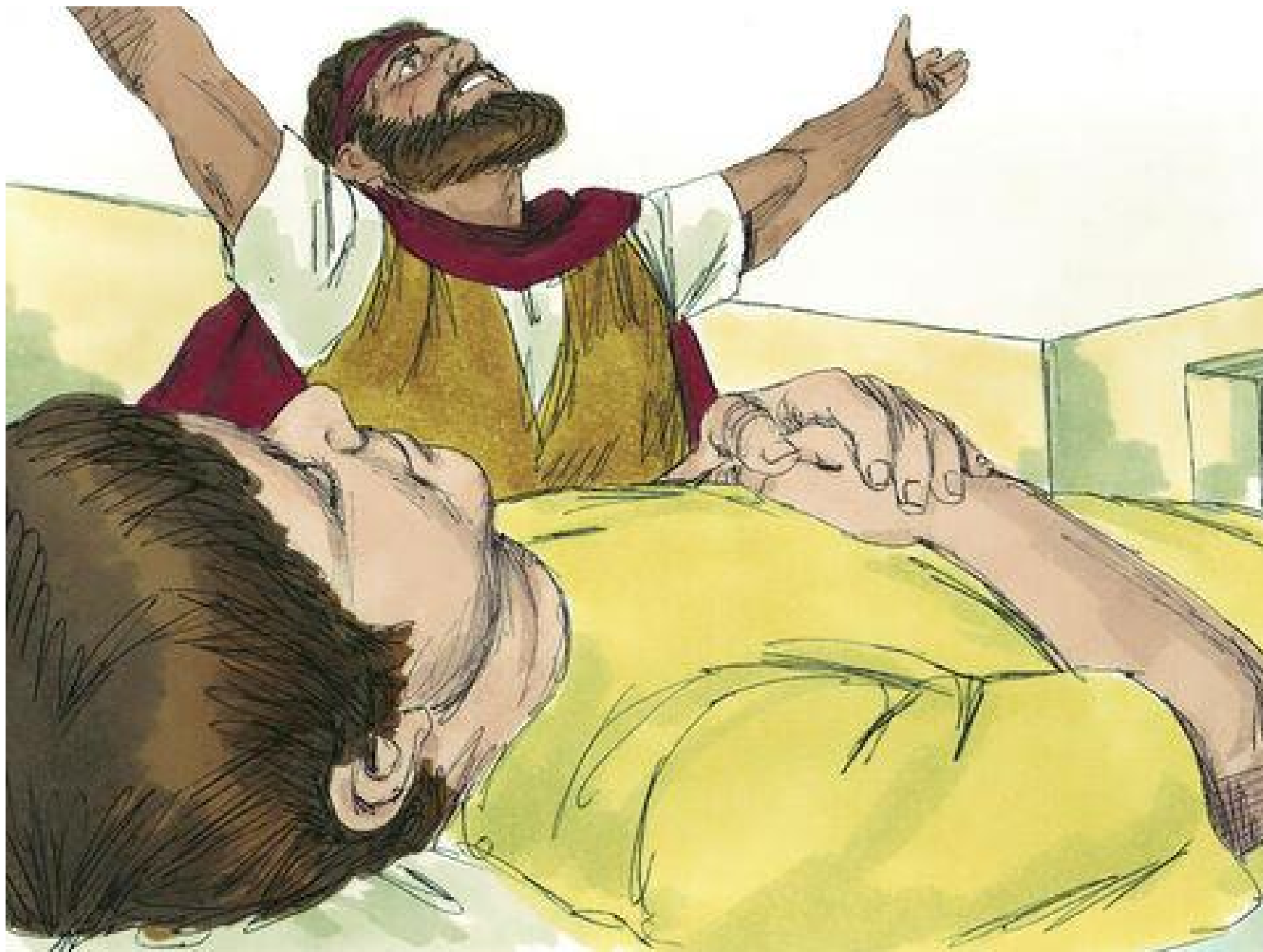
एलियाइ तियारी बोलौ, तू चिन्ता ना कौर एशौ ना
उवै लौ, तू गौरै डेऊ, ताऊँकै जेत्ती पिदियान
तेसकौइ औगौणिकै मुखी रोटी चाणियौ आण,
केलाकि परमेश्वरेइ मुआरी बोलौ, कि अकाल रै
बौक्ते दि ना तै तेरौ एक मुठी पिदियान खतम
उवै लौ ना तेल। तैबै तीं बिदुवाइ एलिया री
बुशौऊँ दि बिश्वाश कियौ।



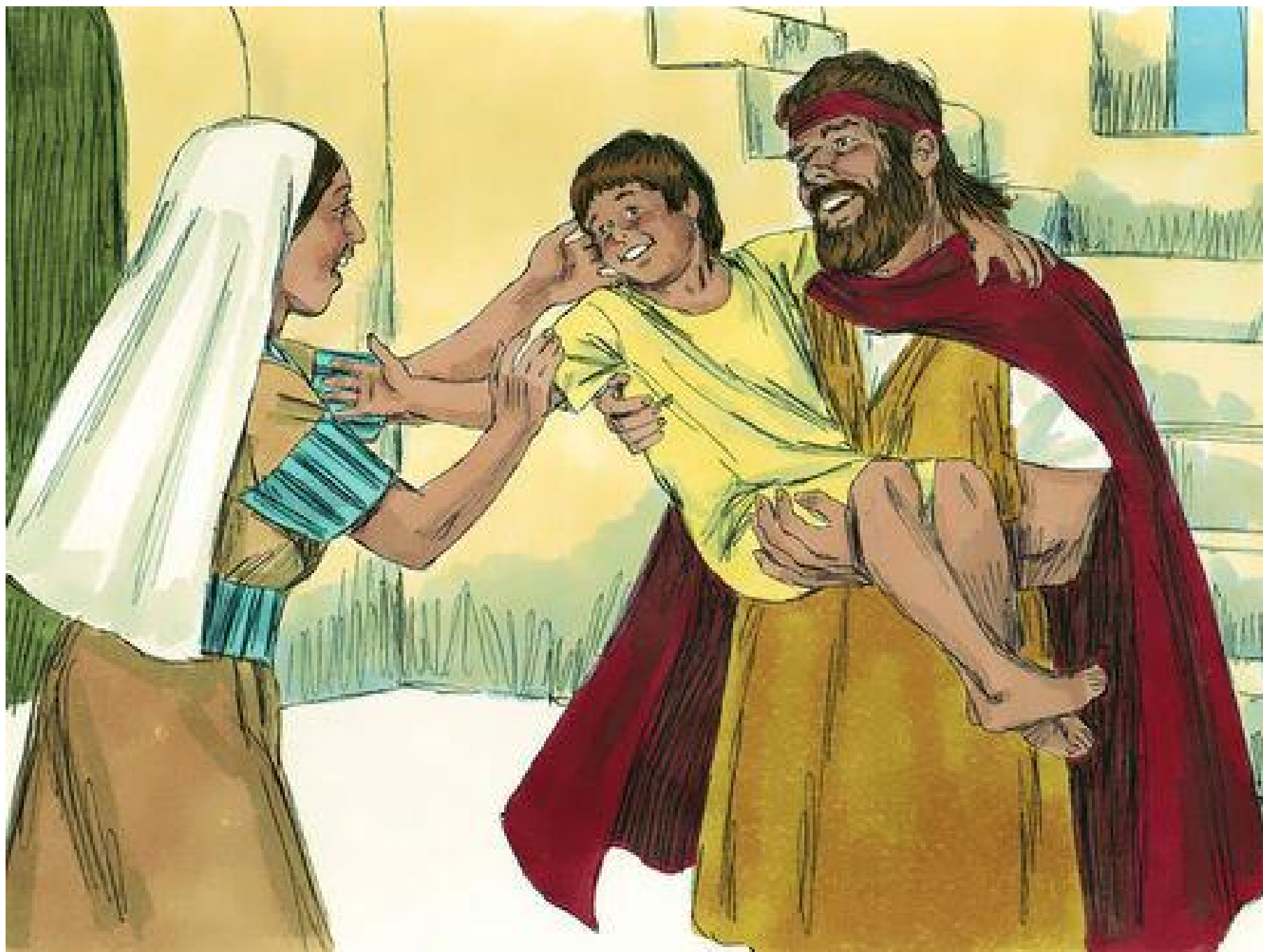
तैबै जेशौ एलियाइ बोलौ थौ तीं बिदुवाइ तेशौइ
कियौ, औज़ि परमेश्वरेइ आपड़े बचन री बौज़ै
कौइ, जुणज़ौ तिणी एलिया आरी बोलौ थौ, ना तै
तिंकै पिदियान खतम उवौ ना तेल। तेसी कौइ
एलिया औज़ि तिरौ परिवारेइ बौरी दुसु जौऊं
खाणौ खाऔ।



कुछ बौक्तै बासियै तीं छेऊड़ी रौ बेटा कासी
बिमारी री बौजै कौइ पोरु मौरौ। तैबै तीं बिदुवा
छेऊड़िएइ एलिया आरी बोलौ, “ए परमेश्वर रौ
दास, का तू आमारे पापू आम्कै याद देआन्दै
आओन्दौ तेरी बौजै कौइ मौरौ मेरौ बेटा।”



तैबै एलियाइ सेउ मौरौन्दौ माऊं टिपियौ माऽलै
छापरे माइं गिणौ जेत्कै सेउ आफू रौयै थौ, तिणी
सेउ माऊं दौनी पाओ लाम्बौ, तैबै एलियाइ
परमेश्वर कौइ प्राथना की, तै परमेश्वरेइ
सेउ ऊबै ज़ियाळौ, तैबै तीं छेऊड़िएइ एलिया
आरी बोलौ ।



ऐबै मू बिश्वाश ऊई गोअ, कि तू परमेश्वर रौ
दास, जुण्जौ परमेश्वर रौ बचन तेरै मुऐ कौइ
आयै सेउ पुरौ औयै। तैबै अकाल री चीजी
साल दी परमेश्वरेइ एलिया आरी बोलौ, तू
अहाब राजा काई डेऊ, तैबै एलिया अहाब राजा
काई डैअ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.